

DPN 5350

Title: चुं चजा म्ये CHUN CAJĀ MYE

Run. No. **6041**

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र / Hymn

Religion : Hindu / ☒ Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt. - New. / ☒ Maith. - New. / ☒ New. - Nep. /

नया दिश
Newa direction

Size in cms. **10x25**

Folios **4**

Lines (in a page) **7**

Compl. / ☒ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☒ thyasaphu /

Condition : fine / ☒ damaged by worms, rats, water / moddy

Beginning, colophon, post-colophon :

25

15

10

5

0

cms.

5

10

15

20

25

30



महिसिद्धिदहिममाता ॥ २३ ॥ ॥ पञ्चसावित्र्यदन ॥ गीत ॥ दाउरुपदा ॥ ॥ डपमा
कांता ॥ ० ॥ वाहिसद्विय ॥ गीत ॥ चक्रिद्धुल ॥ ॥ संदायगीत ॥ उर्यजय ॥ ॥ गध
चक्रस ॥ गीत ॥ राखचक्र
पक ॥ ० ॥ वसामधुल ॥ ॥ पित्र ॥ गीत ॥ इविनि ॥ ॥ थुमिसिद्धमाद्रुवाकधुल ॥ ॥ ३७
गुणायका ॥ ॥ गु ॥ वूमधुल ॥ गीत ॥ मध्वमनु ॥ ॥ पञ्चसावित्र्य ॥ गीत ॥ ॥
दूददन ॥ ॥ उरुगाधि ॥ गीत ॥ अनील ॥ ॥ मामकिपूजा ॥ गीत ॥ चक्रवर्ध ॥ ॥ धूप
गीत ॥ नमो ॥ ॥ दउचर्यामारु ॥ सावित्र्यदन ॥ गीत ॥ दाउरुपदा ॥ ॥ डपमाकांता

[illegible]

समिन्मदन् ॥ २० ॥
समिन्मदन् ॥ २० ॥

पञ्चपञ्चमयकायवराचनराजक२नचविणहनचग्रहकमासन॥निकमूनायि२मचप
 रमाहनसाचनयवि३॥ ५॥ ॥वागद्वयमोहनरूपा२नचपेभूयसमाननदप॥रुचय
 हाचनमिजसमज२निरुचं॥ गसरुजकवि३॥ ॥गनउयनउयंदमिनाक२न
 उकनउवद्वयमय॥लाका॥ मयकिचहिनकलरुचविवर्जिरुसिदिनलय॥ ॥रु
 लाकगमनमचनचूपा२॥ नेवरसनचवि३॥ ॥मयनधर्मनमयचवि३॥ ॥
 उद्वयकाचनजलागुजम॥ ॥५॥ ॥ ॥मदनकायनकायुचि३॥ ॥
 वाग॥मधूम॥काल॥इमाम्॥समिचयइरुउरु॥कमलधनयिचकमोवर्चवयजनेज

११४२५५९९४

मूढारुचि ॥ २ नरविग्रमालापीयलाका वाघचर्म कलिरुषितलयना ॥ ५ ॥ ई ई ई काचमे
जातवदना खर्वलम्बादचनील समदया आधियनि श्रीमहाकालाशयं चामरुदपलवलीना
मयनवषकपालधरा ॥ ॥ चक्रवदुचिनिनयना धारुयंकचरीषमवदना ॥ ६ ॥
ईषकपिता पिंगलकभा ॥ ॥ डनमकहलाकरुषामय ॥ ॥ कचटिकपालधनि खर्वला
नागवरयनागा कछुल ॥ ॥ दाशनागलिलसिद्धाशोपचनागा अरुनागा अरुचधरा ॥ ७ ॥
हा ॥ ॥ दिनवचमोचि धारितमहावूहसामनसा चक्राकवीनाशयताचूरा नांदवरुवा सोध
ककुलिषा अरुनरुचधरा ॥ ८ ॥ ० ॥ यागा ॥ मेघाड ॥ गाल ॥ मय ॥ एकवदनचलमकुद

५३

25

15

१५ वेगारुवो १५

आलीकताश्चउर्द्धं खमपूरकमवधनूधवि॥ ६ ॥ नमामिमंशुपीयनृश्वराश्मयनृ
 सापविपूचिरुडधरिता॥ ॥ ददिनशीमधयकि वामशीमयाकालश्मगाधमधुलमाधप
 कलिताहिरु॥ ॥ धृष्टि हंलावनाया विश्वविद्यायिताश्मयकयवहृयाधिइचिरुदव
 धा॥ ॥ वज्रधरधवा दिव्यामरुनयि यश्चुचवधमारुसिद्धिवरपभाया॥ ॥
 ॥ नागागुंजलि॥ ता ला॥ धकि॥ डव॥ कवधशीलिकरुन॥ भा॥ १६६६६नीसइकि
 थिंगलकभा॥ ॥ ॥ जगद्वीयकपागुहादवीश्चरुमायविनामिनिदवी॥ ॥ चकन
 यनडिमिबुदमायाश्चवज्रकचिकपावनीवात्यना॥ ॥ व्याघ्रवर्मवसुपशालिरा

५५

10

5

0

११०	१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९	१२०	१२१	१२२	१२३	१२४	१२५	१२६	१२७	१२८	१२९	१३०	१३१	१३२
१ गजसूत्र॥	१ पंचकपास	१ वक्रवदना	१ दुर्गगारुचध	१ जिनवलकननी	१ मधुचिपू	१ मरुतक	१ नमामि	१ नमामिश्चिमधर्मधु	१ अचलया॥ सफरु	१ कमवविकासिक॥	१ छीमंरुनाथ	१ मायोजास	१ पवनमधुग	१ शिद्वकमस	१ अष्टरुवालि॥	१ वक्रक	१ नमामिश्चिमाचकि	१ नृगंरुधु	१ नमामिश्चिमंरुधु	१ खवनमिदि		

Cms.

5

10

15

20

25

30

73

卷之四



25

15

10

८१

O

Cms.

5

10

15

20

25

30

25

15

10

5

0

cms.

5

10

15

20

25

30

